

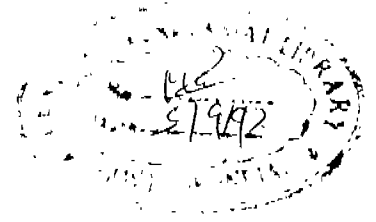


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I  
PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 105 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 6, 1997/ज्येष्ठ 16, 1919

No. 105 ]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 6, 1997/JYAISTHA 16, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या—15 (पी एन)/1997—2002

नई दिल्ली, 6 जून, 1997

फा. सं.-1/9/44/97-98/आईपीसी-दो.—निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के पैराग्राफ-4.11 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1), 1997—2002 में, एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करते हैं। परिशिष्ट-15 क और 15ख में घोषणा संख्या-4 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि 180 दिन से बाद के निर्यात आय का बकाया/प्राप्ति बिगत तीन लाइसेंसिंग वर्षों के औसत निर्यातों के 10% से ज्यादा नहीं है। मैं/हम, इसके अलावा, घोषणा करता हूँ/करते हैं कि एक वर्ष की अवधि अथवा ऐसी बढ़ी हुई अवधि जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से अनुमति मांगी गई है, से अधिक की अवधि के लिए कोई निर्यात आय बकाया नहीं है।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एस. बी. महापात्र, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 15 (PN)/1997—2002

New Delhi, the 6th June, 1997

F. No. 1/9/44/97-98/IPC-II.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 4.11 of the Export and Import Policy, 1997—2002, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendment in the Handbook of Procedures (Vol. 1), 1997—2002.

“The declaration No. 4 in Appendix 15A and 15B shall be substituted by the following :—

“I/We declare that outstanding realisation of export proceeds beyond 180 days does not exceed 10% of average exports of preceeding three licensing years. I/We further declare that no export proceeds are outstanding beyond the period of one year or such extended period for which RBI permission has been obtained”.

2. This issues in public interest.

S. M. MOHAPATRA, Dir. Gen. of Foreign Trade